हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 5 अक्टूबर 2026

11 सच्चा प्रेम धन-दौलत, पद व प्रतिष्ठा का मोहताज ...



12 अब पूरी टीम का फोकस ओलिंपिक पर रहेगा ...



GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING
2 Years GNM Pass
GNM
3 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
ANM
2 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING
4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933



खबर संक्षेप

शिक्षक सोमवीर श्योराण जींद में होंगे सम्मानित

बाढ़ड़ा। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले बाढ़ड़ा क्षेत्र के शिक्षक एवं वर्ष 2018 के राज्य शिक्षक अवार्डी सोमवीर श्योराण को जींद में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर जींद स्थित मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल में आयोजित समारोह में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले करीब 110 शिक्षकों को सम्मानित किया जाएगा। सोमवीर श्योराण गांव चांदवास स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

अग्रोहा धाम में 25 को लगेगा वार्षिक मेला

चरखी दादरी। 25 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के अवसर पर अग्रोहा धाम में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के विशाल वार्षिक मेले को लेकर अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय प्रवक्ता राहुल गर्ग और राष्ट्रीय युवा संयोजक अनंत अग्रवाल चरखी दादरी पहुंचे। उन्होंने अग्रवाल सभा द्वारा आयोजित बैठक में समाज के प्रतिनिधियों को मेले में शामिल होने का निमंत्रण दिया। बैठक में मेले की तैयारियों, अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी और आयोजन को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। अग्रवाल सभा के अध्यक्ष कैलाश चंद रिटोलिया और महासचिव विष्णु गोयल ने पदाधिकारियों का स्वागत कर आभार जताया। इस अवसर पर अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय प्रवक्ता राहुल गर्ग ने मेले में बढ़चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

मांगें नहीं मानने पर 1 से 3 दिसंबर को संसद मार्च करने की चेतावनी

स्कीम वर्कर्स ने सांसद आवास पर किया प्रदर्शन, पक्की नौकरी मांगी

प्रदर्शनकारियों ने 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने पर जोर दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



आंगनबाड़ी वर्कर्स, आशा वर्कर्स और मिड-डे मील कर्मियों के संयुक्त फेडरेशन के आह्वान पर रविवार को शहर में जोरदार प्रदर्शन किया। स्कीम वर्कर्स ने अपनी लंबित मांगों को लेकर भिवानी की सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर आक्रोश प्रदर्शन किया। वर्कर्स पहले लघु सचिवालय परिसर के बाहर एकत्रित हुई और वहां से सरकार विरोधी नारे लगाते हुए जुलूस की शक्ल में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह के आवास तक पहुंची। सांसद धर्मबीर सिंह के आवास पर उनकी अनुपस्थिति में प्रदर्शनकारियों ने उनके बेटे मोहित चौधरी को पीएम और सीएम के नाम मांगों का ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से कर्मियों ने 42 हजार रुपये न्यूनतम मासिक वेतन, स्थायी कर्मचारी का दर्जा, 21 हजार रुपये पेंशन और पूर्ण सामाजिक सुरक्षा देने की मांग उठाई। प्रदर्शन के दौरान सभा की संयुक्त अध्यक्षता आंगनबाड़ी नेता राजबाला निनान, आशा वर्कर्स नेता सुशीला व मिड-डे मील नेता चंद्रकला ने की तथा मंच संचालन राजबाला शर्मा ने संभाला। सीटू नेता कामरेड सुखबीर सिंह ने केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार कर्मियों को 'मानदेय और 'स्वयंसेविका का नाम देकर उनके श्रम का शोषण कर रही है। प्रदर्शनकारियों ने 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने पर जोर दिया।

इन्होंने किया संबोधित

इस दौरान सभा को किसान सभा नेता कामरेड ओमप्रकाश, सीटू नेता कामरेड अनिल कुमार, कुलदीप बड़वा, सदीक डाढ़म, सुखदेव पालुवास, भीमसिंह, रिटायर्ड कर्मचारी नेता रतन कुमार जिंदल, आंगनबाड़ी नेता रीटा चांग, प्रिया शर्मा, सुनीता चहल, सुनीता चांग, सुमित्रा, आशा नेता कविता, परवीन, शकुंतला, रेखा आदि ने भी संबोधित किया।

पक्का कर्मचारी घोषित करने की मांग उठाई

कामरेड ओमप्रकाश ने सभी स्कीम वर्कर्स आंगनबाड़ी, आशा, मिड-डे मील, क्रैच को पक्का कर्मचारी घोषित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्कीम वर्कर्स को 12 महीने के लिए 42,000 रुपये प्रति माह न्यूनतम वेतन का भुगतान, सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी के साथ 21,000 रुपये प्रति माह पेंशन और सामाजिक सुरक्षा, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को तुरंत रद करने सम्मान बहाली करने की मांग उठाई। यूनियन नेताओं ने दो टूक चेतावनी दी कि सरकार ने उनकी जायज मांगों पर शीघ्र सहानुभूतिपूर्वक विचार नहीं किया तो 1 से 3 दिसंबर को दिल्ली में होने वाले विशाल संसद मार्च में भिवानी सहित प्रदेशभर से हजारों स्कीम वर्कर्स कूच करेंगी।

केंद्रों में पर्याप्त भवन व सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग



चरखीदादरी। स्थानीय रोज गार्डन में जनसभा के बाद वर्कर्स प्रदर्शन करते हुए विधायक सुनील सांगवान के आवास पर पहुंचे और करीब दो घंटे तक धरना दिया। इसके बाद सीएम के नाम विधायक को ज्ञापन सौंपकर मांगों पर कार्रवाई की मांग की गई। कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता आंगनवाड़ी जिला प्रधान सुनीता रामबास, मिड-डे मील जिला सचिव निर्मला जेवली और आशा वर्कर्स जिला प्रधान प्रेमपति ने की। जनसभा को सीटू जिला सह-संयोजक सुमेर सिंह, आशा वर्कर्स यूनियन की राज्य उपप्रधान कमलेश सहित किसान सभा जिला प्रधान रणधीर सिंह कुंगड़, मास्टर रामपाल रामबास, यशपाल सिंह और परविन्द्र भांडवा ने संबोधित किया। आंगनवाड़ी वर्कर्स ने केंद्रों में पर्याप्त भवन व सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। आशा वर्कर्स ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित 1500 रुपये की राशि जारी करने और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में बढ़ाए जा रहे ऑनलाइन काम के बोझ को कम करने की मांग की। साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को रद्द करने और स्कीमों के लिए पर्याप्त बजट आवंटित करने की मांग उठाई गई।



भिवानी। अधिकारी को ज्ञापन सौंपते पेंशल बहाली संघर्ष समिति के सदस्य।

संघर्ष समिति ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर शहर में निकाला रोष मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाली करवाकर ही दम लेगा पीबीएसएस: धारीवाल

पेंशन बहाली संघर्ष समिति के बैनर तले जिला भिवानी के कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन बहाली के लिए शहर में रोष मार्च निकाला व उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। संघर्ष समिति के प्रवक्ता शिवकुमार शास्त्री ने बताया कि रविवार को कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान नरेश महता ने की तथा मुख्य वक्ता के तौर पर संघर्ष समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल रहे। मंच संचालन की जिम्मेदारी सतीश आर्य को सौंपी। रोष प्रदर्शन को राज्य कार्यकारिणी व विभिन्न जिला पदाधिकारी महासचिव ऋषि नैन, अनूप लाठर, विजय भूना, पुरुषोत्तम मजोका, सुरेंद्र माजरा, शिवकुमार गोयल, नरेश खेदड़, सुखबीर दुहन, जोगेंद्र लोहान, अनिल सिवाच व ताराचंद छिल्लर आदि वक्ताओं ने संबोधित किया और सरकार की कार्यप्रणाली के खिलाफ रोष जताया।

समिति के प्रदेश अध्यक्ष विजेंद्र धारीवाल ने कहा कि पीबीएसएस पिछले काफी वर्षों से देश प्रदेश में पुरानी पेंशन के लिए संघर्ष कर रही है, चाहे प्रदेश में साइकिल यात्रा पंचकूला में लाखों कर्मियों का संघर्ष, गोहाना में प्रदेश स्तरीय बड़ी रैली सहित रात दिन बिना रुके बिना थके पुरानी पेंशन बहाली के लिए लगी हुई है। पीबीएसएस ये बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा कि पूर्व सांसद व पूर्व विधायक अनेक बार निर्वाचित होने पर अनेक बार की पेंशन लेंगे और कर्मचारियों को एनपीएस या यूपीएस का झुनझुना थमा दिया जाए। प्रदेश महासचिव ऋषि नैन व वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनूप लाठर ने कहा कि पीबीएसएस हर रविवार को किसी न किसी जिले में रोष प्रदर्शन कर रही और अंत में कुरुक्षेत्र में प्रदेश स्तरीय रैली का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा संघर्ष लगातार चलता रहेगा, चाहे हमारे पदाधिकारियों पर कितने ही मुकदमे और दर्ज हो जाएं। अंत में जिला प्रधान नरेश महता ने कहा कि हम कर्मचारियों को उनका अधिकार पुरानी पेंशन दिलाकर ही मानेंगे। कार्यक्रम में सुरेंद्र श्योराण, महेंद्र मान, धोलूराम सुथार, भूपेंद्र चाहर, अशोक चाहर, महेंद्र सिंह श्योराण, सुरेंद्र नलवा, कपिल देव, अरुण, राजेश, यशपाल, सुमन, मनोज, मुकेश दून, लीलूराम, महेश गोड, कुलबीर, शिवकुमार कौशिक, प्रोमिला, पिंकी, पिंकेश, सीमा, शिवचरण भारद्वाज, सुदेश बाजिया आदि उपस्थित रहे।

तोशाम सर्वखाप के प्रधान बने जोगेंद्र सिंह बागनवाला

■ मास्टर मोलू राम ने की पंचायत की अध्यक्षता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम



तोशाम। आयोजित पंचायत में उपस्थित लोग। फोटो : हरिभूमि

रविवार को तोशाम की जाट धर्मशाला प्रांगण में तोशाम क्षेत्र के विभिन्न गांव के गणमान्य व्यक्तियों की पंचायत आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता मास्टर मोलू राम ने की। जिसमें काफी देर तक विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से जोगेंद्र सिंह बागनवाला को तोशाम सर्वखाप का प्रधान चुना गया।

इस दौरान उपस्थित बुजुर्गों ने जोगेंद्र सिंह बागनवाला को मान-सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर प्रधान पद की जिम्मेवारी सौंपी। इस दौरान उप प्रधान गांव सागवान निवासी राजपाल तथा सचिव गांव झांवरी निवासी कुलदीप ख्यालिया सहित पुरानी कार्यकारिणी यथावत चुनी गई। वहीं उपस्थित सभी लोगों को लड्डू खिलाकर मुंह मीठा करवाया गया। इस दौरान नवचयनित तोशाम सर्वखाप के प्रधान जोगेंद्र सिंह बागनवाला ने कहा कि जो मान-सम्मान की प्रतीक पगड़ी पहनाकर उपस्थित बुजुर्गों ने उन्हें जो अहम जिम्मेवारी सौंपी है उस जिम्मेवारी को वह पूरी निष्ठा, लग्न तथा ईमानदारी के साथ निभाएंगे। जोगेंद्र सिंह बागनवाला का कहना था कि उनकी प्राथमिकता रहेगी युवाओ तथा बुजुर्गों के सहयोग से समाज में फैली हुई नशा आदि विभिन्न कुरीतियों को दूर किया जाएगा। युवाओं को और भी अधिक शिक्षा के प्रति जागरूक किया जाएगा जिससे वह अधिक से अधिक शिक्षित होकर अच्छे पद ग्रहण करें और अपने परिवार, गांव, जिले का नाम रोशन करें। वहीं युवा टीम का गठन करके विशेषकर नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा अश्लील गानों सहित अन्य कुरीतियों को भी समाज से दूर करने का प्रयत्न किया जाएगा।

पंचायत में ये रहे मौजूद

इस मौके पर चंद्र सिंह पंघाल, पूर्व चेयरमैन सुखबीर पंघाल, महेंद्र पंघाल, कृष्ण कुमार, राजेश, सुरेश बागनवाला, रमेश बागनवाला, मास्टर अत्तर सिंह, सतबीर सिंह, मास्टर सुरेंद्र, रमेश खरकड़ी सोहान, सुरेश, जिले सिंह, रणधीर, खरकड़ी माखवान से राजकुमार, राजेश, कुलदीप, पवन लक्ष्मणपुरा, बलजीत, घीसाराम, गाँव सागवान से सुरेश, बिजेंद्र, गौरा, गांव झांवरी से शेर सिंह, कमल, पप्पू, भागू पंघाल, संदीप, जगदीप, सत्यवान, संदीप पंघाल आदि तोशाम सहित विभिन्न गांव के अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

सर्वसम्मति से सुरेंद्र सिंह को अध्यक्ष एवं राजेंद्र सिंह को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया

■ एयर वेटरन्स की नई कार्यकारिणी का गठन, पूर्व सैनिकों के कल्याण पर रहेगा जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



भिवानी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पूर्व वायुसैनिकों के संगठन एयर वेटरन्स भिवानी को अधिक सक्रिय, संगठित और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से रविवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन के विस्तार और भावी रूपरेखा पर चर्चा के बाद नई कार्यकारिणी की विधिवत घोषणा की गई।

सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के तहत सुरेंद्र सिंह वशिष्ठ को अध्यक्ष तथा राजेंद्र सिंह बेनीवाल को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा जे. पी. घनघस को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेंद्र सिंह तंवर को उपाध्यक्ष, रणबीर सिंह तंवर को सचिव और राजेंद्र सिंह यादव को कोषाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया। वहीं मीडिया समन्वयक पद पर नेत्रपाल को जिम्मेदारी दी गई, जबकि नरसिंह को मुख्य सलाहकार और हरेंद्र जाखड़ को सलाहकार नियुक्त किया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नई कार्यकारिणी का प्राथमिक उद्देश्य सभी एयर वेटरन्स को एक मंच पर एकजुट करना और उनकी विभिन्न समस्याओं को प्रशासन व संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से उठाकर समाधान कराना रहेगा। कार्यकारिणी ने संकल्प लिया कि संगठन पूर्व वायुसैनिकों और उनके परिवारों के सम्मान, अधिकारों व कल्याण के लिए निरंतर कार्य करेगा। सभी सदस्यों ने संगठन को सशक्त और आदर्श बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कांग्रेस पर बोला हमला

हार का दोष वोट चोरी व ईवीएम के मत्थे मढ़ा जाता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी



भिवानी। प्रदेशाध्यक्ष को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जब भी चुनाव हारती है तो वोट चोरी और ईवीएम पर दोष लगाकर लोगों के बीच भ्रम फैलाती है। जबकि, वो केरल, वायनाड और कर्नाटक के अलावा कहीं से चुनाव जीतती है तो वहां न वोट चोरी का इल्जाम होता है और न हीं ईवीएम खराब होती है।

कांग्रेस की यह नीयत बन गई है कि वो हर रोज एक नया झूठ लेकर जनता के बीच जाती है। पर, कांग्रेस पार्टी को अब यह समझने की जरूरत है कि जनता उनकी झुठ को जान चुकी है और देश की जनता ने उनको पूरी तरह से नकार दिया है। वे रविवार को बहल कस्बे की अनाज मंडी में पूर्व मंत्री जेपी दलाल द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में बोल रही थी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भाजपा 36 बिरादरी की पार्टी है जो किसान, मजदूर, व्यापारी, युवा, महिला सहित हर वर्ग के उत्थान की सोच रखती है, उनके साथ खड़ी रहती है। उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस पार्टी भाजपा पर वोट चोरी का आरोप लगाती है जबकि उनकी पार्टी के सांसद दीपेंद्र हुड्डा मंच से यह स्वीकार करते हैं कि 2009 के चुनाव में एक डीसी ने उनकी मदद की थी, नहीं तो वे सांसद नहीं बन पाते। उन्होंने कहा कि 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को भी रद्द कर दिया गया था, पर सत्तालोलुप कांग्रेस पार्टी ने उस समय हार नहीं स्वीकारी और इमरजेंसी लगा दी थी।

दिग्गज नेताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा में आस्था जताई

डॉ. अर्चना गुप्ता ने पूर्व मुख्यमंत्री को याद करते हुए कहा कि वे सच्चे मायने में विकास पुरुष थे, जिन्होंने हरियाणा के विकास में जो योगदान दिया। समारोह में विधायक अभय सिंह यादव, कूपर सिंह बाल्मिकि, सुनील सांगवान ढाढरी, घनश्याम सर्राफ ने जनसभा को संबोधित किया व जेपी दलाल द्वारा लोहारू में करवाए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। सभा में जिला भाजपा प्रभारी अरविंद यादव, महेंद्रगड़ विधायक कंवर सिंह यादव, जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक, समाजसेवी राजेश केडियासहित अनेक लोग मौजूद रहे। मंच संचालन चेयरमैन रवि महमिया व मंडल प्रधान रोहताश चौहान ने किया। डॉ. अर्चना गुप्ता के समक्ष मुरारी जांगड़ा बहल व प्रदीप मंढोली ने भाजपा ज्वाइन की। पहली बार बहल पहुंची भाजपा प्रदेशाध्यक्ष को पूर्व मंत्री जेपी दलाल के साथ भिवानी रोड से अनाज मंडी तक ट्रैक्टर पर बैठाकर मोटरसाइकिलों के बड़े काफिले के साथ समारोह स्थल तक लाया गया।

भवन निर्माण कामगार यूनियन ने की पंजीकरण बहाल करने की मांग

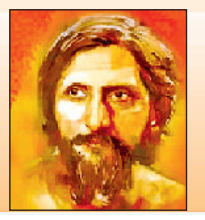
■ दो वर्षों से बोर्ड की नियमित बैठक नहीं होने पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

हरियाणा भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की पिछले दो वर्षों से नियमित बैठक नहीं होने पर भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा (सीटू) ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। यूनियन ने निर्माण मजदूरों के पंजीकरण रद्द किए जाने को गैरकानूनी और मजदूर विरोधी बताते हुए तत्काल फैसला वापस लेने की मांग की है। भवन निर्माण कामगार यूनियन हरियाणा (सीटू) के नेता सुखबीर सिंह व सुमेर सिंह धारणी ने कहा कि निर्माण मजदूरों के सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण, सुरक्षा और उनके परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से कल्याण बोर्ड का गठन किया गया था। लेकिन पिछले दो वर्षों से बोर्ड की नियमित बैठक नहीं होना सरकार की मजदूरों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है। एक तरफ बोर्ड की बैठकें नहीं बुलाई जा रही हैं और दूसरी तरफ मजदूरों के पंजीकरण रद्द किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निर्माण मजदूर पहले ही महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। अनेक मजदूर अपने पंजीकरण के आधार पर छात्रवृत्ति, पेंशन, चिकित्सा सहायता, कन्यादान सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। ऐसे में पंजीकरण रद्द होने से मजदूरों और उनके परिवारों पर आर्थिक संकट बढ़ेगा। सुखबीर सिंह ने कहा कि उचित कारण, नियमानुसार जांच और पारदर्शी प्रक्रिया के बिना किसी मजदूर का पंजीकरण रद्द करना न्यायसंगत नहीं है। मजदूरों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिए बिना कार्रवाई करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के भी विपरीत है।

पेट जितना भी भरा रहे, आशा कभी नहीं भरती। वह जीवों को कोई-न-कोई अप्राप्य, कुछ नहीं तो केवल रंगों की माया का इंद्रधनुष प्राप्त करने के मायावी दलदल में फँसा ही देती है।

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'



उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था।





कहानी

अशोक जैन

दूसरे छोर पर

मौसम में ठंडक बढ़ने लगी है। दूर-दूर तक खामोशी है। लगता है कि उदासी सशरीर शाम के रूप में आकर फैल गई है। बरामदे में आराम कुर्सी पर अधलेटी सी मिसेज खन्ना मानसिक तपिश से अकुला रही है। दूर, बहुत ऊंचे तारों की ओढ़नी का चमकीलापन समेटे आकाश की ओर देखती उनकी आंखें, उनके होंठ आज इस तरह मौन हैं, जिनमें शाम की उदासी का आभास होता है, परंतु मन में खौलता बवंडर अब शांत हो चला है। कामवाली बाई दूसरी बार चाय लाई। 'मेम साहब, चाय लीजिए। दूसरी बार लाई हूं।' उसके स्वर में बेचारगी स्पष्ट है। 'ना, काकी। चाय नहीं चाहिए। बड़ी तपिश लग रही है।'

एक हल्की दर्द भरी मुस्कान उनके होंठों पर उभरी। 'तो कुछ ठंडा बना दूं क्या?' उसने फिर पूछा। 'नहीं, रहने दो।' नौकरानी ने अचकचा कर उनकी ओर देखा। फिर मन ही मन कुछ बुदबुदाते हुए लौट गई। वे आज किस गहन चिंता में हैं, कोई नहीं समझ सका। समझे भी कौन? नौकरानी, रामू कौन है जो उनके व्यक्तित्व को पढ़ सके। हां, पास मेज पर पड़ा वह अधखुला पत्र उनकी समस्त चेतना को जकड़े हुए है। मिसेज खन्ना का हाथ अचानक अपने माथे पर जा टिका। हल्की सिकुड़न से भरा माथा और दो-चार चांदी से सफ़ेद बाल, जो सहसा ही अंगुलियों को छू गये। आज आंसू भी उमड़ते हैं तो जैसे बीच में ही कोई उन्हें मोती सा चुग लेता है। जीवन का एक-एक पृष्ठ खुलता है और पहलू बदलती वे मिसेज खन्ना, सुविधा की मां नहीं, आज बस मधु बन गई है। शून्यता और अकेलेपन से भरते मन को धीरे कांपते हाथों का स्पर्श देती उनकी आंखें फूट पड़ने को हो गईं, पर अपने को संयत करते हुए वे सोचने लगी हैं: अब तो सब कुछ समाप्त हो गया --। किसके लिए रोये? क्यों रोये? दर्द से भीगे ठंडे उच्छवास हवा में वाष्प बन कर उड़ने लगे.....सुविधा ने पत्र में लिखा है: 'मम्मी! बीते महीने से ही यथा समय मैं तुम्हें पत्र नहीं लिख सकी। बाईगाड, बहुत व्यस्त रही। वो जो हमारे साथ सूरज था न, इसी सप्ताह विदेश जा रहा है। हम दोनों काफी समय से लिव इन में थे। अच्छी तरह जानते हैं एक-दूसरे को! इतने बड़े महानगर में सहारे को कोई तो चाहिए था न- बस!! वैसे भी वह हमारे मेडिकल कॉलेज का हीरो है, ममा। उसकी जिद थी कि विदेश जाने से पहले हम शादी कर लें। इतनी जल्दी में हो भी क्या सकता था! हमने कोर्ट मैरिज कर ली है। मम्मी! डोंट माइंड प्लीज। छोड़ो इन झूठे रीति-रिवाजों को। हां, यदि तुम्हारी बड़ी इच्छा होगी तो उसके लौट आने पर फेरे भी लगवा लेना। क्यों ठीक है न ममा? कालेज बंद होगा और मैं शीघ्र ही घर के लिए चल दूंगी। सूरज को हमने सीआफ कर दिया है।'

मिसेज खन्ना के मन में पत्र की पंक्तियां पानी में डोलते दियों सी झिलमिलाती हैं और उनकी कांपती लौ में मन जैसे आगे कुछ पढ़ ही नहीं पाता ! उनकी बेटी ने विवाह कर लिया! सूचना भी भेज दी है!!! मन में दबी कुंठा उभर आई। क्यों नहीं!! उनके विगत जीवन के इतिहास को भी निर्ममता से कुरेद दिया है। बस एक पत्र ने-- मन अपने धुंधलाते से अतीत में भटक गया है... वे भी अपने मां-बाप की इकलौती संतान थी। दिनेश से जब उन्होंने विवाह किया था, तब उनकी परिस्थिति में इतना भर ही तो अंतर था कि मां-बाप ने दबी जुबान से सहमति दिखलाई : 'बेटा, तुम पढ़ी-लिखी हो, समझदार हो अपना अच्छा बुरा समझती हो। पर- 'पर क्या मां? मैं भी तो अपना भला सोच सकती हूं न!'

उसने अपनी आवाज़ दबने नहीं दी थी। यही आशंका तो आज उनके मन भी उठी! कहीं उसकी बेटी भी ठगी न जाए! दिनेश के परिवार ने उन्हें स्वीकार नहीं किया। इसे वे विषपान की तरह गले से नीचे उतार गई। कई तरह का अपमान सहने की प्रक्रिया में एक दिन उन्हें पता चला कि दिनेश पूर्व विवाहित है। अपनी सफाई में दिनेश ने बहुत कुछ कहा था। 'मधु, वह रिश्ता तो कहने भर को ही था। मन और शरीर तो उससे अबंधा और अछूता ही रहा--' 'इतना बड़ा अविश्वास! मुझे पहले क्यों नहीं बताया?' वह लगभग चीख पड़ी थी। वह चुप हो गया था और दोनों ने अपने रास्ते अलग-अलग कर लिए थे। तब सुविधा नन्हीं सी ही थी। मन की शून्यता के रहते उन्होंने सुविधा को अमिट दुलार देकर पाला-पोसा था। अपना सर्वस्व उन्होंने अपनी सुविधा पर ही केंद्रित कर दिया था। जीवन की हारी बाज़ी को मानो विजय में बदल डालना चाहती थी। दिनेश ने कई बार सुलह की कोशिश की, पर उस छलाव में वे दोबारा नहीं पड़ना चाहती थी। उनकी सुविधा बड़ी हो रही थी। कितनी रातें चिंताओं में कट जाती थीं। अपना क्या है, पर सुविधा को कोई दुःख न हो। अपनी बेटी में ही वह अपने आप को देखती थी-किंतु वे ठिठकीं : भूल कहां हो गई, वे समझ नहीं पा रही थीं। उन्होंने शायद अति आदर्श के पीछे ही तो नहीं अपने को खो दिया है, यानि इस बार फिर वो छली गई। मन का पोर-पोर जैसे व्यथा से भर उठा, किंतु अब वे बिखरेंगी तो फिर अपने को सहेज भी न सकेंगी। चेहरे पर विषाद फैलता जा रहा था। मन के कोने हल्के दर्द से पीड़ित होकर सिसकने लगे थे। जब सुविधा नन्हीं सी थी, तब कैसी बातें किया करती थी। और फिर उम्र के विकास के साथ-साथ वयस्क और गंभीर होती सुविधा -- यादें क्रमवार उमड़ने लगी थीं: कितनी संयत, कितनी धीर! कभी-कभी उसके गांभीर्य से वे घबरा उठतीं। वे चाहती थीं कि वह खूब चहके ताकि उनका रंगहीन जीवन मूकता की निस्पंदता से न सोया रहे। सुविधा की हंसी की खातिर वे बार-बार हंसती थीं और आज वही सुविधा -!! वह सोचते-सोचते क्षण भर को ठहरी! अपने भाग्य की विडंबना को याद कर मन तल्खी से भर उठा। कहीं सुविधा को भी उन लोगों ने न अपनाया तो! उस अभागिन के साथ तो उसकी बदनसीब मां का इतिहास भी है, पर सुविधा तो बड़े विश्वास से कहती है:' सूरज के पिता उसे बेटी की तरह दुलराते हैं।' सहसा बेटी का मोह भरा रूप, उसकी कोमल कामना जैसे उसके मन में भी झांक उठी और मन ममता से भीग उठा।

तभी घरघराती हुई मेट्रो ट्रेन से उनकी तंद्रा भंग हुई। उसने अपने आप को समेटा। वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था सुविधा के स्वागत के लिए। वातावरण में हल्की सी चांदनी फैल चुकी थी। झटके से उठने पर कुर्सी देर तक हिलती रही। बादलों का एक गुच्छा पश्चिम से उभरने लगा था, शायद बारिश भी हो। देर तक उसे देखते हुए वे अंदर की ओर बढ़ गई। कमरे में पहुंच कर उन्होंने आवाज लगाई: 'काकी, जरा एक कप चाय दे जाना।'

वे झट से उठकर खड़ी हुई। अपने आपको व्यवस्थित किया। हरदम की तरह एक मुस्कान उनके होंठों पर खेल गई। उनके हाथ कुर्सी का हत्था छोड़कर आशीर्वाद देने की मुद्रा में हिले और मानो हर तरह से अपने को प्रस्तुत कर लिया था

लघुकथा

इंतजार

मनहरी पिछले तीन दिन से खटिया पर पड़ी है। हाथ-पैर ऐंठने लगे हैं। उम्र नब्बे के पार होने को आई। परलोक गमन का समय आ पहुंचा था। पति तो कई वर्ष पहले ही भगवान को प्यारे हुए। एक बेटा और एक बेटी, बुढ़ापे का यही सहारा हैं। बेटा दिल्ली में सरकारी अफसर है। उसकी बहू भी वहीं किसी स्कूल में टीचर है। उन्हें मां का हाल-चाल जानने का वक्त ही कहां मिला, बुढ़ापे में कैसे वह चूल्हा जलाती है, कैसे रहती है और कैसे खाती-पीती है ?..हाँ, बेटी जरूर ससुराल से आती-जाती रही। मां का हाल जानने की चिंता और मां के प्रति उसकी सहानुभूति सदैव रही। दामाद भी उसके साथ दस-बीस रोज में आते-जाते रहे। घर में नाती-नातिन खूब धमा-चौकड़ी मचाते हैं। उनके कारण मनहरी का मन लगा रहता था। पति की यादें मनहरी के साथ हमेशा से रही। इस उम्र में उनकी यादों के सहारे वह जीती रही। जोड़-तोड़कर सब तो बेटे पर लगा दिया था। उसे पढ़ाया-लिखाया, नौकरी लगाया और दिल्ली में मकान भी बनवा दिया। कहता था- सब वहीं रहा करेंगे। लेकिन बाद में कहने लगा, शहर में बसेरा मुश्किल है, हमारा गुजर भी ठीक से नहीं हो पाता। उम्र बीत गई...अब किसी से क्या शिकवा-शिकायत, उसकी वो जाने?..गांव का घर भी तो खाली नहीं छोड़ा जा सकता था।



डॉ. सुरेश वशिष्ठ

शायद इसी से पिछले कुछ वर्षों में मनहरी को पति की बहुत याद आती रही। घर के निर्जन कोने में खटिया पर पड़ी वह उनका स्मरण करने लगती थी।...कितना प्रेम था उन्हें मनहरी से, खांसी भी आती तो बेचैन हो उठते। गांव के दवाघर से तुरन्त दवा लेने दौड़ पड़ते। घर के काम में भी हाथ बंटाते। अब इस उम्र में कैसे भी काम-धाम निबटा ही लेती। ललिता जब भी आती, झाड़-बुहारकर घर को साफ-सुथरा संवार देती। हर चीज को करीने से जगह पर रखती। मां के खाने-पीने, सेवा-सुश्रुषा का ध्यान रखती। दामाद भी जब तक रहते, किसी ना किसी काम को संवारने में ही लगे रहते। बुढ़ापे में जो पेंशन मिलती रही, उसी में गुजर होता रहा। छोटी नातिन से नानी को बहुत लाड है। वह नानी से खूब बातें करती और नानी की गोद में ही सिमटी रहती।

मनहरी का मन विभोर होने लगता। बेटा मनोज तो महीनों में घर आता था। घर आने पर हमेशा उसे वापस जाने की जल्दी लगी रहती थी। कभी अकेला तो कभी पत्नी को साथ लिए। पोते-पोती तो बहुत कम गांव में आते थे। उन्हें तो पढ़ाई से फुर्सत ही नहीं। दादी से मोह भी नहीं। पैदा भी दिल्ली में हुए और गांव में आना-जाना कम ही रहा। बहू हाल-चाल तो पड़ोसी के फोन पर भी जान लेती थी, लेकिन बुढ़ापे की प्रीत को वह कभी नहीं समझ पाई। मनहरी हमेशा उस प्रीत की जरूरत में कुढ़ती रही। ललिता मां के उलझे बालों को संवारती, पैरों में मालिश करती, कपड़े बदलती, नहलाती-धुलाती और सलीके से सब काम निबटा लेती। मनोज की बहू इन कामों से दूर ही रहती रही। मां की तबीयत को सुनकर बेटा और बहू आ तो गए, लेकिन उन्हें वापस जाने की बेचैनी बहुत थी। इंद्र काका मनहरी का हाल जानने दिन में कई बार आते। ललिता से सब पूछते और कुछ काम रहता तो करते भी।

ललिता तो खटिया से दूर जाती ही नहीं थी। बीच-बीच में आंसू बहाने लगती और मां की यादों में गुम रहती। बेटा उसे डांट देता, कहता - 'रोती क्यूं है, अब मां को तो जाना ही है। मां तो फिर भी नब्बे पार कर गई, लोग तो सत्तर-अस्सी भी नहीं पकड़ पाते। रो-धोकर हमारा भी मन मैला न कर! रोने का कोई मतलब नहीं।...हमें देख, ड्यूटी छोडकर यहां बैठे हैं। वहां जवान लड़की को पड़ोसियों के भरोसे छोड़कर आए हैं। वे हर दिन हमारी राह तकते हैं। अम्मा का भरोसा क्या, जाने को अभी चली जाएं, ना जाएं तो दस दिन बिता दें ! हम तो ऑफिस छोड़कर आ ही गए। इंतजार भी बहुत हुआ...सोचा था, अंतेष्ठी और तेरहवीं जल्दी निपटाकर लौट जाऊँगा लेकिन उनकी सांस है कि छूटती ही नहीं। राम भला करे...उम्र हो गई। आगे कष्ट ही बढेगा।' बेटी दर्द में तड़प उठती, कहती कुछ नहीं। मनहरी की सांसें अटकी ही रही। इंतजार कर बेटा-बहू लौट गए। ललिता वहीं रही। उसने मां की सेवा में दिन-रात एक कर दिया। आठवें दिन मनहरी ने आंखें खोली। बेटी खुश हुई। धीरे से उसने कहा-' भाई कहाँ है?' बेटी बोली- 'वह तो चला गया। कल तक यहीं था, भाभी भी यहीं थी।'

मनहरी की आंखों से आंसू टपक पड़े। धीरे से उसने कहा- 'गंगाजल डाल दे।' ललिता रोती हुई गंगाजल लेकर आई। माँ के मुख में कुछ बूंदें डाली और प्राण हवा हो गए। बेटी पहले तो कुछ समझ न सकी और फिर पछाड़ खाकर गिर पड़ी। इंद्र काका ने मनहरी की आंखों पर हाथ रखा और पलकें मूंद दी गई। नातिन भी रो-कर नानी की गोद में सिमट गई। दामाद दूर खड़ा आंसू बहाता रहा। इंद्र काका माथे पर हाथ रखकर बैठ गए। बेटे को इतला दे दी गई और उसका इंतजार होने लगा।

कवि कॉर्नर

कविता | सुधीर ढांडा कौल



दिल की बात

बचपन मे हम भी उड़ाते थे पतंग,
उड़ाते उड़ाते हो जाती थी रात ,
छत पर बैठे बैठे करते रहते थे
हम अपनी पतंग से दिल की बात।

दूसरों की पतंग काटने का हमे
बहुत चाव था,और काट ही लेते थे,
जब कट जाती थी पतंग हमारी
झट छत से कूदकर भाग लेते थे।

दूसरों की पतंग काटने पर खुशी ,
अपनी कटने पर दर्द होता था,
वो बचपन भी क्या खूब था,
कभी दिल हँसता, कभी रोता था।

जब कभी देखते हैं उड़ती हुई पतंग
तो बचपन याद आता है,
थमता नही ये वक्त, कटी पतंग की तरह
दूर निकल जाता है।

दूसरों की पतंग काटने में उस वक्त
'सुधीर, माहिर हुआ करता था,
उस वक्त मेरी पतंगबाजी का किस्सा जग
जाहिर हुआ करता था।

कविता | सपना



बचपन

वो माँ का प्यार,पापा की परवाह
वो दुलार बचपन का,बहुत याद आता है ।

जब कट्टी बट्टी से दोस्ती निभती थी
जब तकरार सिर्फ़ चुटकी भर की थी
वो रिश्ते बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो हँसना बेवजह,रोना बेझिझक
वो रूठना मनाना दोस्तों का, बहुत याद आता है ।

जब घाव सिर्फ़ घुटने पर थे
जब जीत हार दो पल की थी
वो खेल बचपन के,बहुत याद आते हैं ।

वो घंटी स्कूल की, बस्ता और स्लेट
वो छुट्टियों में नानी का घर,बहुत याद आता है ।

जब सपनें नींद नहीं उड़ाते थे
जब हम सारी खुशियाँ ख़रीद लाते थे वो
सुकून नासमझ होने का,बहुत याद आता है ।

वो महल मिट्टी के,कश्ती काग़ज की
वो बारिशें बचपन की,बहुत याद आती हैं ।

जो गली पहचानती है आहट मेरी
जिस घर में गूँजती है आवाज मेरी
वो आसमाँ मेरे शहर का ,बहुत याद आता है ।

न कल की फ़िक्र,न आज का बोझ
वो पहला पन्ना जीवन का,बहुत याद आता है ।

कवि सम्मेलन का प्रतिभागिता सम्मान



व्यंग्य | कृष्ण गोपाल विद्यार्थी



कवि सम्मेलन का पंडाल अभी पूरी तरह खाली भी नहीं हुआ था, कुर्सियों पर चाय के खाली कुल्हड़ और समोसे के चिकने कागज़ हवा में उड़ ही रहे थे कि महाकवि 'व्यथित' जी ने मंच के कोने में जाकर अपनी जेब टटोली। कविता तो खैर उन्होंने ऐसी पढ़ी थी कि सामने बैठे कुल तेरह श्रोताओं में से सात नींद में चले गए थे, पांच अपने फोन पर रील्स देख रहे थे और एक आयोजक का साला था, जिसे हॉल की चाबी जमा करानी थी। किंतु महाकवि के चेहरे पर जो चमक थी, वह किसी ऑस्कर विजेता जैसी थी। हाथ में था सौ रुपये के लैमिनेशन में मढ़ा हुआ रंग-बिरंगा गत्ते का टुकड़ा, जिस पर सुनहरे अक्षरों में अंकित था-'काव्य-शिरोमणि प्रतिभागिता सम्मान'।

कवि सम्मेलन भले ही शाम सात से आठ चला हो, लेकिन असली काव्य-कर्म तो रात नौ बजे शुरू होना था। ऑटो में बैठते ही व्यथित जी ने सबसे पहले उस प्रमाण पत्र की ऐसी तस्वीर खींची, जिसमें उनके चेहरे की शिकन कम और आयोजक संस्था का नाम साफ़ दिखे। इसके बाद शुरू हुआ आधुनिक साहित्य का सबसे कठिन और अनिवार्य अनुष्ठान-'फेसबुकिया कृतज्ञता ज्ञापन'। कैप्शन गढ़ा गया, जिसमें विनम्रता की चाशनी में डूबा हुआ आत्म-प्रचार उफान मार रहा था:"आज 'अंतरराष्ट्रीय साहित्य संगम' गुप्ता जी के बेसमेंट में आयोजित विराट अखिल भारतीय काव्य निशा में देश के मूर्धन्य विद्वानों के सम्मुख अपनी तुच्छ रचनाएँ प्रस्तुत करने का पावन सुअवसर प्राप्त हुआ। अपार जनसमूह की तालियों की अनवरत गड़गड़ाहट और साहित्य-प्रेमियों के इस अगाध स्नेह से अभिभूत हूँ। इस अद्वितीय, ऐतिहासिक और अविस्मरणीय सम्मान हेतु अग्रज संयोजक श्री चुन्नीलाल जी का कोटिशः धन्यवाद एवं हार्दिक आभार! आपका यह ऋण जीवन भर नहीं चुका सकूँगा।" संयोजक चुन्नीलाल जी, जो हॉल का किराया बचाने के लिए बिजली का मेन स्विच पहले ही गिरा चुके थे, ने नोटिफिकेशन देखते ही तुरंत कमेंट दागा- "भाई व्यथित जी, आपकी कालजयी पंक्तियों ने आज पूरे ब्रह्मांड को हिला कर रख दिया। आप सरस्वती के वरदपुत्र हैं।" हकीकत यह थी कि उस हॉल में अगर कोई हिला था, तो वह पंखे का टूटा हुआ ब्लेड था, लेकिन साहित्य का यह अलिखित नियम है: 'तुम मेरी पीठ सहलाओ, मैं तुम्हारी जांघ पर तमगा टांगूँगा।' आधुनिक काव्य-जगत में अब कविता की उम्र उतनी ही रह गई है जितनी देर में प्रमाण पत्र की फोटो अपलोड होकर पचास 'लाइक' न बटोर ले। श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती। उस गत्ते के टुकड़े की कीमत यह है कि उसके लिए कवि अपनी कार का पेट्रोल फूंकता है, संयोजक के हर लतीफे पर ज़बरदस्ती अट्टहास करता है और फिर घर लौटकर दुनिया को यह विश्वास दिलाने में जुट जाता है कि कबीर और तुलसी के बाद अगर कोई बचा है, तो बस वही है- हाथ में प्रमाण पत्र थामे, कैमरे की ओर तिरछी मुस्कान फेंकता हुआ!

श्रोता भले ही नदारद हों, पंक्तियों में चाहे तुक का अकाल और भाव का सूखा पड़ा हो, मगर जब तक टाइमलाइन पर नीले फ्रेम वाला वह कागज नहीं चमकता, तब तक रचनाकार की आत्मा तृप्त नहीं होती।

कुछ हटकर

बीएएमएस : हेल्थकेयर सेक्टर में बनाएं मजबूत पहचान



डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

हेल्थकेयर सेक्टर के विस्तार के साथ आयुर्वेद और ट्रेडिशनल सिस्टम्स ऑफ मेडिसिन में भी करियर के अवसर बढ़ रहे हैं। बीएएमएस ऐसा अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम है, जिसमें आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के साथ मॉडर्न मेडिकल साइंसेज की बेसिक नॉलेज भी दी जाती है। यह कोर्स क्लिनिकल प्रैक्टिस, रिसर्च, वेलनेस, फार्मास्यूटिकल्स और गवर्नमेंट सर्विसेज जैसे क्षेत्रों में करियर के रास्ते खोल सकता है।बीएएमएस में विद्यार्थियों को मानव शरीर की संरचना एवं कार्यप्रणाली, रोगों की पहचान, आयुर्वेदिक डायग्नोसिस और ट्रीटमेंट की जानकारी दी जाती है। प्रमुख विषयों में रचना शरीर, क्रिया शरीर, पदार्थ विज्ञान, द्रव्यगुण विज्ञान, रसशास्त्र एंड भैषज्य कल्पना, रोग निदान, कायचिकित्सा, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एंड स्त्री रोग तथा कौमारभृत्य शामिल हैं। क्लिनिकल ट्रेनिंग और इंटर्नशिप भी कोर्स का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

प्रमुख विषय

बीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता विकसित कर सकते हैं। इनमें कायचिकित्सा, पंचकर्म, शल्य तंत्र, शालाक्य तंत्र, प्रसूति एवं स्त्री रोग, कौमारभृत्य, द्रव्यगुण तथा स्वस्थवृत्त एवं योग प्रमुख हैं। आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है। बीएएमएस स्टूडेंट्स को कम्युनिकेशन, पेशेंट काउंसलिंग, डॉक्यूमेंटेशन, डिजिटल लिटरेसी, इंटरपर्सनल स्किल्स और रिसर्च स्किल्स पर भी ध्यान देना चाहिए। पेशेंट को सरल भाषा में ट्रीटमेंट समझाना और हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी का बेसिक ज्ञान रखना प्रोफेशनल ग्रोथ में मदद कर सकता है।



प्रमुख करियर रोल्स

- आयुर्वेदिक फिजिशियन
- मेडिकल ऑफिसर
- क्लिनिकल कंसल्टेंट
- पंचकर्म कंसल्टेंट
- वेलनेस कंसल्टेंट
- रिसर्च एसोसिएट
- हेल्थकेयर मैनेजमेंट प्रोफेशनल

हायर स्टडीज के विकल्प

सबीएएमएस के बाद स्टूडेंट्स एमडी, एमएस पीजी डिप्लोमा, सर्टिफिकेट प्रोग्राम्स और पीएचडी जैसे हायर स्टडीज ऑप्शंस चुन सकते हैं। हेल्थकेयर मैनेजमेंट, पब्लिक हेल्थ, योग, न्यूट्रिशन और वेलनेस जैसे इंटरडिसिप्लिनरी क्षेत्रों में अतिरिक्त क्वालिफिकेशन भी उपयोगी हो सकती है।

एंटरप्रेन्योरशिप और सेल्फ-एम्प्लॉयमेंट

सरकारी बीएएमएस ग्रेजुएट्स अनुभव और आवश्यक नियमों का पालन करते हुए आयुर्वेदिक क्लीनिक, पंचकर्म सेंटर, वेलनेस सेंटर या हेल्थकेयर कंसल्टेंसी शुरू कर सकते हैं। आयुर्वेदिक मेडिसिन्स, हर्बल प्रोडक्ट्स और वेलनेस सर्विसेज से जुड़े बिजनेस भी संभावित विकल्प हैं।

- बीएएमएस के बाद इनकम

बीएएमएस के बाद इनकम क्वालिफिकेशन, एक्सपीरियंस, लोकेशन, जॉब प्रोफाइल, क्लिनिकल एक्सपर्टाइज और प्रैक्टिस मॉडल पर निर्भर करती है। गवर्नमेंट जॉब में पे स्ट्रक्चर संबंधित सरकारी नियमों के अनुसार होता है, जबकि प्राइवेट प्रैक्टिस और बिजनेस में इनकम पेशेंट बेस, सर्विसेज और बिजनेस स्केल से प्रभावित हो सकती है। बीएएमएस उन स्टूडेंट्स के लिए उपयोगी करियर विकल्प हो सकता है, जिनकी रुचि आयुर्वेद, हेल्थकेयर, पेशेंट केयर और वेलनेस में है।

मोटिवेशनल

सही समय का इंतज़ार नहीं, शुरुआत ज़रूरी



विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

जीवन में आगे बढ़ने की इच्छा लगभग हर व्यक्ति के भीतर होती है। कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफलता चाहता है, कोई व्यवसाय शुरू करना चाहता है, कोई किताब लिखना चाहता है, कोई नई भाषा सीखना चाहता है तो कोई अपने जीवन की दिशा बदलना चाहता है। सपने अलग हो सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरा करने के रास्ते में एक समान बाधा अक्सर दिखाई देती है, सही समय का इंतज़ार।हम अक्सर खुद से कहते हैं कि जब परिस्थितियां बेहतर होंगी, समय अधिक मिलेगा, आर्थिक स्थिति सुधरेगी, आत्मविश्वास बढ़ेगा या परिवार और समाज का पूरा सहयोग मिलेगा, तब शुरुआत करेंगे। लेकिन जीवन का अनुभव बताता है कि आदर्श परिस्थितियां हमेशा इंतज़ार नहीं करतीं। कई बार परिस्थितियां शुरुआत के बाद ही बदलती हैं।दरअसल, शुरुआत शायद ही कभी पूरी तैयारी के साथ होती है। जो विद्यार्थी पहली बार मंच पर खड़ा होता है, वह अनुभवी वक्ता नहीं होता। जो युवा पहली बार प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी शुरू करता है, उसके पास शुरुआत में पूरी रणनीति नहीं होती। जो व्यक्ति पहली बार लेख लिखता है, उसकी भाषा में पूर्णता नहीं होती। लेकिन हर विशेषज्ञ कभी न कभी शुरुआती व्यक्ति रहा है।पहला कदम छोटा हो सकता है, लेकिन उसका महत्व छोटा नहीं होता।अक्सर लक्ष्य की दूरी हमें पहला कदम उठाने से रोकती है। हम यह भूल जाते हैं कि लंबी यात्राएं भी छोटे-छोटे कदमों से ही पूरी होती हैं। प्रतिदिन केवल एक घंटा किसी नई चीज को सीखने में लगाना शायद एक दिन में कोई बड़ा परिवर्तन न दिखाए, लेकिन छह महीने या एक वर्ष की निरंतरता उसी एक घंटे को एक बड़ी उपलब्धि में बदल सकती है।समस्या हमेशा समय या संसाधनों की कमी नहीं होती। कई बार समस्या उपलब्ध संसाधनों का इस्तेमाल शुरू न करना होती है।आज सीखने के साधन पहले से कहीं अधिक उपलब्ध हैं। "कल से शुरू करूंगा" जीवन के सबसे महंगे वाक्यों में से एक हो सकता है।क्योंकि कल आता है तो आज बन जाता है और फिर वही आज अगले कल में बदल जाता है।इस चक्र को तोड़ने का एक ही तरीका है, बड़े लक्ष्य को छोटे काम में बदल देना। किताब लिखनी है तो पहला पृष्ठ लिखिए। परीक्षा की तैयारी करनी है तो पहला अध्याय पढ़िए। स्वास्थ्य बेहतर करना है तो आज कुछ कदम अधिक चलिए।

ग़ज़ल

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं

बहुत पहले से उन क़दमों की चोट जान लेते हैं
तुझे ऐ जिंदगी हम दूर से पहचान लेते हैं

मिरी नजरें भी ऐसे कातिलों का जान ओ ईमान है
निगाहें मिलती ही जो जान और ईमान लेते हैं

जिसे कहती है दुनिया कामयाबी वाए नादानी
उसे किन कीमतों पर कामयाब इनसान लेते हैं

निगाह-ए-बादा-गुन यूं तो तीरी बातों का क्या कहना
तीरी हर बात लेकिन एहतियातन छान लेते हैं

तबीयत अपनी घबराती है जब सुनसान रातों में
हम ऐसे में तेरी यादों की चादर तान लेते हैं

खुद अपना फैसला भी इश्क में काफी नहीं होता
उसे भी कैसे कर गुजरें जो दिल में ठान लेते हैं

हयात-ए-इश्क का इक इक नफस जाम-ए-शहादत है
वो जान-ए-नाज-बरदारन कोई आसान लेते हैं

तुझे घाटा न होने देंगे कारोबार-ए-उल्फत में
हम अपने सार तीरा ऐ दोस्त हर एहसान लेते हैं

'फ़िराक़' अक्सर बदल कर भेस मिलता है कोई काफ़िर
कभी हम जान लेते हैं कभी पहचान लेते हैं



फ़िराक़ गोरखपुरी
शायर



सच्चा श्राद्ध पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता व सद्गुणों को जीवन में अपनाना : बीके मंजू

तोशाम। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विश्वविद्यालय के तोशाम सेवा केंद्र पर पितृपक्ष के अवसर पर विशेष आध्यात्मिक व्याख्यान एवं राजयोग सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पूर्वजों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सेवा केंद्र प्रभारी बीके मंजू ने श्राद्ध के वास्तविक आध्यात्मिक रहस्य को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि श्राद्ध का शाब्दिक अर्थ 'श्रद्धा' से है। केवल बाह्य रीति-रिवाज या स्थूल रूप से भोजन अर्पण करना ही पर्याप्त नहीं है, अपितु अपने पूर्वजों द्वारा दिए गए श्रेष्ठ संस्कारों, मर्यादाओं और नैतिक मूल्यों को अपने व्यावहारिक जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्चा श्राद्ध है। बीके मंजू ने आगे कहा कि आज के भौतिकवादी युग में आत्माएं शांति और सुख की तलाश में हैं। हमारे पूर्वज जो शरीर त्याग कर जा चुके हैं, उन्हें भौतिक वस्तुओं की नहीं बल्कि हमारे शुद्ध संकल्पों, प्रेम और शांति की किरणों (सकाश) की आवश्यकता होती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी को ईश्वरीय प्रसाद वितरित किया गया।

श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया

सच्चा प्रेम धन-दौलत, पद व प्रतिष्ठा का मोहताज नहीं : साध्वी करुणागिरी

गुरु मनुष्य को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके जीवन को सही दिशा देते हैं: करुणागिरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



भिवानी। आयोजित श्री मदभागवत कथा में प्रवचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रणामी मंदिर धाम में हुक्मपुरिया परिवार द्वारा सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा चरित्र का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा व्यास साध्वी करुणागिरी महाराज ने कथा के सप्तम दिवस में सुदामा चरित्र पर बोलते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता यह सिखाती है कि सच्चा प्रेम धन-दौलत, पद और प्रतिष्ठा का मोहताज नहीं होता।

बचपन का सखा जब द्वारका पहुंचा तो भगवान श्रीकृष्ण ने राजसी वैभव को छोड़कर अपने निर्धन मित्र का जिस आत्मीयता से स्वागत किया, वह मित्रता की मर्यादा और प्रेम की पराकाष्ठा का अनुपम उदाहरण है।

कथा व्यास साध्वी करुणागिरी महाराज ने भागवत की विशेष व्याख्या करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मुक्ति का सबसे सहज और सरल साधन है। राजा परीक्षित ने सात दिनों तक भागवत श्रवण करके जीवन के अंतिम समय में भगवान की प्राप्ति की, इसलिए भागवत केवल कथा नहीं, बल्कि मनुष्य को संसार के बंधनों से मुक्त कर भगवान के चरणों तक पहुंचाने वाला दिव्य मार्ग है। साध्वी करुणागिरी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा के सखा प्रेम को इतना ऊंचा स्थान दिया कि मित्र की गरीबी उन्हें दिखाई नहीं दी, उन्हें केवल प्रेम दिखाई दिया। सुदामा कुछ मांगने नहीं गए थे, लेकिन भगवान ने बिना मांगे ही उनके जीवन की दरिद्रता दूर कर दी। यही भगवान की भक्ति का रहस्य है—जहां मांग समाप्त होती है, वहां प्रेम आरंभ होता है और जहां प्रेम पूर्ण होता है, वहां भगवान स्वयं भक्त के हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि सुदामा और श्रीकृष्ण की मित्रता आज के समाज के लिए भी बड़ा संदेश है। सच्चा मित्र वही है जो सुख में साथ खड़ा होने के साथ-साथ दुख में हाथ थामे और मित्र की परिस्थिति देखकर उसके प्रति अपने प्रेम में कोई परिवर्तन न करे। भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा को यह संदेश दिया कि रिश्तों की पहचान वैभव से नहीं, हृदय के भाव से होती है। श्रद्धालुओं ने व्यासपीठ का पूजन कर गुरु के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट की। इस अवसर पर गुरु की महिमा बताते हुए कहा गया कि गुरु मनुष्य को केवल ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि जीवन को सही दिशा देकर अज्ञान के अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर कथा आयोजक राजेंद्र अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल , सुभाष जैन, राजेंद्र गर्गदेवराज तोशामिया, शिव शंकर चांगिया, विजय किशन धारेडू , विनय मिश्रा,अशोक भारद्वाज, एडवोकेट खुशी राम शर्मा व हुक्मपुरिया परिवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भाजपा ने राजस्व विभाग व पोर्टल वेरिफिकेशन गैप में उलझाया धान किसानों को: सविता मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी



धान की आवक 4 .26 लाख टन, खरीदी सिर्फ 55 हजार टन की हुई

हरियाणा में खेती-किसानी से भाजपा की नफरत और किसानों को सताने की आदत, अब रोज की मुसीबत बन गई है। भाजपा की किसान सताओ और फसल लुटवाओ स्कीम से प्रदेश भर की अनाज मंडियां तो पटी पड़ी हैं। यह बात वरिष्ठ कांग्रेस महिला विंग की पूर्व प्रदेश महासचिव सविता मान ने भाजपा सरकार में हो रही किसानों की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कही। सविता मान ने कहा कि प्रदेश की मंडियों में धान की आवक 4.26 लाख टन हुई है मगर खरीदी सिर्फ 55 हजार टन की और उठान केवल 1 हजार टन का हुआ है जिसके कारण मंडियों में दाना रखने की जगह नहीं बची। उन्होंने कहा कि नायब सरकार के राजस्व विभाग और कृषि विभाग का डाटा ही आपस में मिसमैच होने के कारण, खरीदी नहीं हो पा रही। भाजपा सरकार के अपने ही दो विभागों ने फसल आंकड़े के वेरिफिकेशन में, करीब 4.5 लाख एकड़ के गैप से धान किसानों को उलझा रखा है ।

दादरी में दो नए लिंक रोड को प्रशासनिक मंजूरी जल्द शुरू होगा निर्माण: सुनील सांगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी



दादरी विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में सड़क कनेक्टिविटी मजबूत करने की दिशा में दो नई लिंक सड़कों के निर्माण को प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के तहत मिसरी से मिर्च रोड तथा सांकरोड-सांवड़ रोड से धारेडू तक सड़क निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। विधायक सुनील सांगवान ने इसे ग्रामीण क्षेत्र के लिए बड़ी सौगात बताया।

स्वीकृत परियोजनाओं में मिसरी से मिर्च रोड की लंबाई करीब 880 मीटर होगी। इसके निर्माण पर लगभग 40 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि दूसरी सड़क सांकरोड-सांवड़ रोड से धारेडू होते हुए सांवड़ तक बनाई जाएगी। करीब 2.5 किलोमीटर लंबी इस सड़क के निर्माण पर लगभग 1.12 करोड़ रुपये खर्च होंगे। विधायक सुनील सांगवान ने प्रशासनिक मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा का आभार जताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण लंबे समय से इन रास्तों को पक्का करवाने की मांग कर रहे थे। कच्चे रास्तों के कारण बरसात के दौरान कीचड़ और जलभराव की समस्या रहती थी, जिससे किसानों को फसल को मुख्य मार्गों और अनाज मंडियों तक पहुंचाने में परेशानी होती थी। सांगवान ने बताया कि ग्रामीणों की मांग को सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखा गया था।

बिजली क्षेत्र के निजीकरण के खिलाफ सांझा मोर्चा ने दी जन-आंदोलन की चेतावनी

भिवानी। हरियाणा में बिजली क्षेत्र को निजी हाथों में सौंपने की प्रशासनिक तैयारियों के विरोध में बिजली कर्मचारियों, किसानों और सामाजिक संगठनों ने आर-पार की लड़ाई का बिगुल फूंक दिया है। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले राज्य स्तरीय जन-अपील जारी करते हुए सरकार पर वादे से पलटने का गंभीर आरोप लगाया है। संयुक्त बयान में हरियाणा पावर कारपोरेशन एससी-बीसी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बराड़, हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन (एचपीईए) के प्रवक्ता इंजीनियर नारायण प्रकाश, एचईबी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला आदि ने सरकार की नीतियों पर कड़ा एतराज जताया है। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि गत 10 अगस्त को ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में हुई चार दौर की वार्ता के दौरान निजीकरण की प्रक्रिया को रोकने का भरोसा दिया गया था, इसके बावजूद गुरुग्राम और नूंह में निजी कंपनियों को समानांतर वितरण लाइसेंस देने के बाद अब फरीदाबाद, पलवल, पानीपत तथा करनाल को भी कॉर्पोरेट घरानों के हवाले करने की तैयारी की जा रही है। संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने निजीकरण के आम जनता, किसानों और कर्मचारियों पर पड़ने वाले घातक परिणामों को रेखांकित करते हुए चेतावनी दी कि इस फैसले से बिजली की दरें बेतहाशा बढ़ेंगी और आम उपभोक्ताओं को मिलने वाली सब्सिडी पर कैंची चल जाएगी।

आंगन मिलन मेले में गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और अन्नप्राशन संस्कार करवाया

बवानीखेड़ा। सज्जनपुर गांव के आंगनवाड़ी केंद्र में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगन मिलन मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुपरवाइजर ' नीतू' ने की। मेले में गर्भवती महिलाओं की 'गोदभराई' और छोटे बच्चों का 'अन्नप्राशन संस्कार' कराया गया। इसके साथ ही 'पोषण वाटिका प्रदर्शनी' लगाई गई जिसमें मोटे अनाज से बनी 'तिरंगा थाली' का विशेष प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में आशा कार्यकर्ता, एएनएम आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका सहित 50 से अधिक गर्भवती महिलाएं, धात्री माताएं और किशोरियां शामिल हुईं। सभी को सरकारी योजनाओं और पोषण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। सुपरवाइजर नीतू ने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि क्षेत्र का एक भी बच्चा कुपोषित न रहे। इसके लिए महिलाओं को सही पोषण और देखभाल के प्रति जागरूक करना जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं और किशोरियों को पोषण शपथ' दिलाई गई।



रविवार को समाजसेवी व गुरुघर से जुड़े बलवंत राय भ्याणा का हुआ रस्म उठाला

बवानीखेड़ा। समाजसेवी एवं बवानीखेड़ा ग्रासरूट्स पब्लिक स्कूल के आधार स्तंभ बलवंत राय भ्याणा का रविवार को हांसी स्थित बजरंग आश्रम मंदिर में रस्म उठाला किया गया। जिसमें नजदीकी संबंधियों, परिचितों, समाजसेवियों व राजनीति से जुड़े नेताओं ने पहुंचकर परिजनों को सांत्वना दी। बलवंत राय भ्याणा के पुत्र-पुत्रवधुओं में अनिल भ्याणा-मीनाक्षी भ्याणा, राकेष भ्याणा-वीना भ्याणा, पुत्री-दामाद में रंजना खुराना-महेन्द्र खुराना, वर्षा छाबड़ा-नरेष छाबड़ा ने बताया कि उनके पिता 27 सितंबर 2026 को लगभग 84 वर्ष की आयु में स्वर्ग सिधार गए।। वे स्वयं उनके दिए संस्कारों पर चलने का प्रयास करेंगे। बलवंत राय भ्याणा का ग्रासरूट्स संस्था से उनका लंबे समय से गहरा जुड़ाव रहा। संस्था के लिए वह केवल प्रधान ही नहीं, बल्कि मजबूत नींव और मार्गदर्शक के रूप में रहे। उनके निधन से संस्था ने अपना एक मजबूत आधार खो दिया है। परिजनों ने कहा कि उनका आशीर्वाद, उनकी सीख और उनके संस्कार हमेशा ग्रासरूट्स संस्था तथा स्कूल को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते रहेंगे। दिवंगत की पुत्रवधू, समाज सेविका एवं ग्रासरूट्स पब्लिक स्कूल की संचालिका वीणा भ्याणा ने भावुक होकर कहा कि आज वह जीवन में जिस मुकाम पर हैं, उसका श्रेय अपने ससुर के आशीर्वाद, दुआओं और उनके दिए संस्कारों को देती हैं। उन्होंने कहा कि बलवंत राय भयाना ने परिवार को केवल जीवन जीने का तरीका ही नहीं सिखाया, बल्कि ईमानदारी, सेवा और विश्वास के साथ जीवन को सार्थक बनाने की सीख दी।

डीसी ने अफसरों को दिए नए लघु सचिवालय की कमियां 10 तक दूर करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी



नए लघु सचिवालय भवन में जिला प्रशासन के कार्यालयों की शिफ्टिंग को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। उपायुक्त मनदीप कौर ने विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारियों को पत्र जारी कर नए लघु सचिवालय में मौजूद कमियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सभी आवश्यक कार्य 10 अक्टूबर 2026 तक पूरे करने को कहा है, ताकि जिला प्रशासन के कार्यालयों को जल्द से जल्द नए भवन में स्थानांतरित किया जा सके। उपायुक्त ने पत्र में लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता भवन निर्माण एवं इलेक्ट्रिकल, डीएचबीवीएन, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, एचएसवीपी तथा हरियाणा रोडवेज के महाप्रबंधक को विभागवार कमियों की जानकारी देते हुए समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पत्र में कहा गया है कि कई बैठकों, दौरों और निरीक्षणों के बावजूद आवश्यक कार्य और सुविधाएं अभी भी अधूरी हैं। इसके कारण जिला कार्यालयों की शिफ्टिंग प्रभावित हो रही है तथा अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उपायुक्त ने मुख्य सड़क से नए लघु सचिवालय तक जाने वाली सड़क को यातायात के लिए उपयुक्त बनान के निर्देश अधिकारियों को दिए।

किसानों को लगभग 1 महीने तक 24 घंटे बिजली की आपूर्ति की जाए : दलीप सिंह

- सिर्फ 8 घंटे बिजली आपूर्ति से नहीं हो पाएगी सिंचाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

प्रदेश का पूरा दक्षिणी क्षेत्र, विशेष कर भिवानी, चरखी दादरी एवं महेंद्रगढ़ जिले पूर्णतः सूखाग्रस्त है। किसानों को बिजाई के लिए 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित हो। उक्त शब्द चरखी दादरी जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव दलीप सिंह सांगवान ने तोशाम में बाईपास मार्ग पर धरनारत किसानों को संबोधित करते हुए कहे। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा की बरसात की कमी के कारण हरियाणा के दक्षिणी जिले बुरी तरह सूखा प्रभावित रहे हैं। मूंग, ज्वार, बाजरा, गवार आदि फसल पूरी तरह चौपट हो चुकी है। साथ ही अगली फसल भी समय पर बिजाई हो पाने के कोई आसार नजर नहीं आ रहे हैं। क्षेत्र में मुख्य सिंचाई का साधन बिजली द्वारा संचालित ट्यूबवेल है एवं मुख्य फसल सरसों है। सरसों की बिजाई का समय आ चुका है, परंतु सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को प्रतिदिन सिर्फ 8 घंटे बिजली आपूर्ति की जा रही है। इस स्थिति में किसान किसी भी कदर फसल की बिजाई नहीं कर पाएंगे या फिर आधी अधूरी कर पाएंगे। स्थिति के मद्देनजर उन्होंने सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए मांग की की किसानों को अब से लगभग 1 महीने तक 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करनी होगी। ताकि किसान समय रहते जमीन के पूरे रकबे में अपनी फसलों की बिजाई करने में सफल हो सके। यदि ऐसा नहीं किया गया तो किसानों का पूरा साल बर्बाद हो जाएगा और किसानों के लिए तो जीना दूभर होगा।

स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी पर तीन दिवसीय पाखंड खंडन समारोह संपन्न

संयुक्त परिवार की संरचना सशक्त राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

- समाज को पाखंड से बचाने को आर्य समाज के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार जरूरी : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

नई अनाजमंडी के समीप स्थित तिकोना पार्क में स्वामी श्रद्धानंद बलिदान शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय पाखंड खंडन समारोह रविवार को पूर्ण श्रद्धा, उत्साह और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। तीन दिन चले इस ज्ञान-यज्ञ में विभिन्न आचार्यों, जनप्रतिनिधियों एवं आर्य समाज के विद्वानों ने स्वामी श्रद्धानंद के जीवन आदर्शों, गुरुकुल शिक्षा पद्धति और सामाजिक सुधारों पर प्रकाश डाला। आर्य समाज के मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक स्वामी श्रद्धानंद का जीवन चरित्र संपूर्ण राष्ट्र के लिए आज भी प्रेरणा का विशाल स्रोत है। उन्होंने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद ने वकालत का प्रतिष्ठित व्यवसाय त्यागकर गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय की स्थापना की और देश में गुरुकुल शिक्षा पद्धति का पुनरुद्धार किया। यह संस्थान आज भी शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसके साथ ही आजादी के आंदोलन में स्वामीजी ने महात्मा गांधी के साथ मिलकर प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी के रूप में अग्रणी नेतृत्व प्रदान किया तथा मातृभूमि की रक्षा के लिए अपनी शहादत दी। समारोह के समापन सत्र को मुख्य वक्ता प्रख्यात वैदिक विद्वान आचार्य संजय याज्ञिक ने उपस्थित आर्य जनों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संयुक्त परिवार की मजबूत संरचना ही एक सशक्त और संस्कारी राष्ट्र के निर्माण में सबसे अहम भूमिका निभा सकती है। आचार्य याज्ञिक ने सामाजिक विकृतियों को दूर करने के लिए वैदिक मूल्यों और पारिवारिक एकजुटता पर बल दिया। पाखंड खंडन समारोह के समापन पर बतौर मुख्यतिथि लोहारू से विधायक राजवीर फरटिया ने कहा कि आज के आधुनिक दौर में जिस प्रकार से अंधविश्वास और पाखंड पैर पसार रहा है, उससे समाज को बचाने के लिए आर्य समाज के सिद्धांतों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार ही सबसे कारगर माध्यम है। विधायक ने भावुक होते हुए कहा कि उनकी स्वयं की परवरिश आर्य समाज के उच्च सिद्धांतों के अनुरूप हुई है और वे स्वयं को आर्य कहने में अत्यंत गौरवान्वित महसूस करते हैं। महंत बाबा जगमाल, रामरख आर्य तथा सुप्रसिद्ध भजन गायिका तन्नू आर्य ने भजनों की प्रस्तुतियां दी। भजनों के माध्यम से विशेष रूप से वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के शौर्यपूर्ण जीवन एवं त्याग पर प्रकाश डाला, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंगों में रंग गया। समारोह के समापन पर मुख्य आयोजक बाबूलाल आर्य ने विधायक राजवीर फरटिया सहित सभी आचार्यों और विशिष्ट अतिथियों को शॉल भेंटकर सम्मानित किया।



भिवानी। पाखंड खंडन समारोह में प्रस्तुति देते कलाकार। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पूर्व न्यायाधीश वेदप्रिय आर्य एडवोकेट, डॉ. भूपसिंह आर्य, यतेंद्र आर्य बालसमंद, रवि आर्य डींगमंडी, जयप्रकाश आर्य निमड़ीवाली, पूर्व सरपंच ओमवीर फरटिया, सुपात्रा देवी सैनी भिवानी, घनश्याम हेतमपुरा, प्रताप आर्य भिवानी, नरदेव आर्य, अजीत सिंह आर्य मंत्री व अंजू आर्य आदि उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी



ऋषि राज को गोपुत्र दल का अध्यक्ष बनाया

बवानीखेड़ा। गोपुत्र दल की ओर से बवानीखेड़ा तहसील की कार्यकारिणी का गठन किया गया। संगठन ने गौसेवा, गौसंरक्षण एवं जीव रक्षा के क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। इस दौरान ऋषि राज को गोपुत्र दल बवानीखेड़ा तहसील का अध्यक्ष तथा अनूप कुमार को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। पदाधिकारियों ने कहा कि गौपुत्र दल गौसेवा और गौसंरक्षण के साथ-साथ जीव रक्षा तथा समाजहित के विभिन्न सेवा कार्यों में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। संगठन का उद्देश्य सेवा कार्यों को गांव-गांव तक पहुंचाना और अधिक से अधिक लोगों को गौसेवा एवं जीव रक्षा के कार्यों से जोड़ना है। इस अवसर पर गौपुत्र दल के स्टार प्रचारक श्याम सुंदर महाराज, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील क्रांतिकारी, प्रदेश महासचिव प्रमोद स्वामी, तथा तोशाम अध्यक्ष पंकज रिवासा सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बैठक मे संगठन विस्तार पर दिया जोर

बाढड़ा। कामगार एवं कर्मचारी कांग्रेस की जिला स्तरीय कार्यकारिणी की बैठक जिला अध्यक्ष मनदीप उमरवास की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, कार्यकारिणी के विस्तार तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मनदीप उमरवास ने कहा कि कामगारों और कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय के साथ काम करते हुए अधिक से अधिक कर्मचारियों और कामगारों को संगठन से जोड़ें। उन्होंने कहा कि मजबूत संगठन ही जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सरकार और प्रशासन के सामने रख सकता है। बैठक में पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने तथा आगामी समय में संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करने पर भी जोर दिया गया।

स्वास्थ्य जांच शिविर समाज के लिए उपयोगी



भिवानी। बहन श्रुति चौधरी के जन्मदिन के अवसर पर बीपी एवं शुगर चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा कैंप में उपस्थित लोगों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान नरेश मीनू अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर समाज के लिए बेहद उपयोगी हैं। समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच करवाने से बीमारियों का समय रहते पता लगाया जा सकता है और उनका उचित उपचार संभव है। उन्होंने बहन श्रुति चौधरी को जन्मदिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। कैंप के सफल आयोजन में उपस्थित सदस्यों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पिलानिया के परिजनों को बंधाया ढांढस

बाढडा। काकडोली हट्टी निवासी मास्टर शमशेर पिलानिया के बेटे युवा अधिवक्ता अतुल पिलानिया के सड़क दुर्घटना में हुए दुखद निधन पर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है। हादसे की सूचना मिलने के बाद से ही उनके निवास स्थान पर शोक व्यक्त करने और शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है। अतुल पिलानिया रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की विधिक शाखा से एलएलएम ल की पढ़ाई करने के साथ-साथ न्यायिक सेवाओं की तैयारी में जुटे हुए थे। उनके असमय चले जाने से क्षेत्र ने एक होनहार और भावी न्यायिक अधिकारी को खो दिया है। शोक की इस घड़ी में परिजनों को सांत्वना देने और ढांढस बंधाने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों तथा गणमान्य व्यक्तियों का उनके निवास स्थान पर लगातार आगमन हो रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ शुरू



भिवानी। जैन चौक स्थित गोस्वामी लालदास मंदिर में पितृ पक्ष पर सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ हुआ। रविवार को भक्तिमय माहौल के बीच निकाली विशाल कलश यात्रा के साथ धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई। लालदास मेमोरियल ट्रस्ट के सचिव गणपतराय जसूजा ने बताया कि कलश यात्रा में बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं श्रद्धालुओं ने अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर पूरे श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया। कलश यात्रा गोस्वामी लालदास मंदिर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों हालु बाजार, बिजलीघर रोड तथा घोसियान चौक से होती हुई पुनः मंदिर प्रांगण में ही पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान पूरा मार्ग श्रद्धालुओं के जयकारों और धार्मिक भजनों से गुंजायमान रहा। इसके उपरांत विद्वान आचार्यों द्वारा विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश पूजन संपन्न करवाया और मंगल कलशों को मंदिर प्रांगण में स्थापित किया। ट्रस्ट के सचिव गणपत राय ने कहा कि सनातन धर्म में किसी भी बड़े यज्ञ व कथा-पुराण के प्रारंभ से पूर्व कलश यात्रा निकालने की महान परंपरा रही है। कलश को नवग्रहों, देव शक्तियों, पवित्र नदियों तथा ऋद्धि-सिद्धि का प्रतीक माना जाता है, जब मातृशक्ति सिर पर मंगल घट धारण कर नगर भ्रमण करती है, तो इससे संपूर्ण क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और वातावरण शुद्ध तथा पवित्र बनता है। श्रीमद्भागवत कथा तपोभूमि परमहंस योगाश्रम की परमपूज्य कृष्णानन्द सरस्वती महाराज के पावन सान्निध्य में होगी। कथा व्यास के रूप में बालयोगिनी साध्वी विभानन्द सरस्वती अपने श्रीमुख से प्रतिदिन श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की संगीतमय एवं ज्ञानवर्धक कथा का रसपान कराएंगी। इस अवसर पर जमना भंभानी, आशा जसुजा, अंजु, मीना, सुशील सरदाना, धर्मपाल वधवा, मोनिका, पंकज, आदित्य, महेंद्र महता, गुलशन भंबानी, पूजा, संजय, राखी, कैलाश सरदाना, विशाल व अंशु चौधरी आदि मौजूद रहे।



स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

लोहारू। चौधरी बंसीलाल राजकीय महाविद्यालय में रविवार को एनएसएस का एक दिवसीय शिविर लगाया, जिसमें स्वयंसेवकों ने कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सुजीत कुमार एवं डॉ. प्रीति के नेतृत्व में कॉलेज परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और बौद्धिक सत्र के दौरान विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डॉ. सुजीत ने कहा कि वर्तमान समय में शारीरिक श्रम का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ गया है। आधुनिक जीवनशैली में अधिकांश कार्य मशीनों एवं तकनीकी संसाधनों के माध्यम से होने के कारण मनुष्य का शारीरिक परिश्रम लगातार कम होता जा रहा है, जिसकारण अनेक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। डॉ. प्रीति ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों को समाज से जोड़ने और उनमें सेवा एवं सहयोग की भावना विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने स्वयंसेवकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने, पर्यावरण की रक्षा करने तथा अपने आसपास के लोगों को भी स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने परिसर की साफ-सफाई के साथ-साथ पेड़-पौधों की कटाई-छंटाई एवं परिसर को स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित बनाने में श्रमदान किया। शिविर में दिनेश, साहिल, प्रियंका एवं स्नेहा ने अपने विचार सांझा किए।

खबर संक्षेप



भिवानी। हरियाणा राज्य महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार को स्मृति चिन्ह भेंट समाजसेविका अंजु शर्मा, नव्या व आरोही। *फोटो: हरिभूमि*

बेटियों एवं महिलाओं को सशक्त बनाना समाज की प्राथमिकता: मीना

भिवानी। हरियाणा राज्य महिला आयोग की प्रदेश उपाध्यक्ष मीना परमार ने कहा कि बेटियों और महिलाओं को मजबूत एवं आत्मनिर्भर बनाना आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। परमार 'एक बेटी एक पेड़ माँ के नाम' अभियान तथा हिट एंड रन सड़क सुरक्षा अभियान की ब्रांड एंबेसडर आरोही भारद्वाज और जल एवं पर्यावरण संरक्षण अभियान की ब्रांड एंबेसडर नव्या भारद्वाज के निवास स्थान पर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने दोनों बेटियों को सम्मानित किया।

नुक्कड़ नाटक से सामाजिक बुराइयों को मिटाने का संदेश

भिवानी। सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को 'नमो सेवा अनकही कहानियां' कार्यक्रम के अंतर्गत डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग और कला एवं संस्कृतिक विभाग द्वारा में जिले भर में अनेक स्थानों पर नाटक मंचन कार्यक्रम आयोजित किए गए। शहर में चौधरी सुरेंद्र सिंह मेमोरियल हुडा पार्क में नाटक मंचन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें भाजपा के जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

भिवानी में स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर व खेल विवि की स्थापना हो: कमल प्रधान

भिवानी। कॉमनवेल्थ खेलों के बाद एशियन खेलों में भी हरियाणा के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन किया है, ये बात प्रेस को जारी बयान में युवा कल्याण संगठन एवं भिवानी बॉक्सिंग क्लब के अध्यक्ष कमल सिंह प्रधान ने कही। उन्होंने कहा कि हरियाणा में सबसे अधिक अर्जुन एवं भीम अवॉर्डी खिलाड़ियों की संख्या भिवानी में है, इसलिए भिवानी में स्पोर्ट्स इंजरी सेंटर व खेल विश्वविद्यालय की स्थापना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में हरियाणा का दबदबा रहा है।

सांसद धर्मबीर सिंह सहित अनेक खेलप्रेमियों ने हॉकी चैम्पियन इशिका संभ्रवाल को किया सम्मानित

अब पूरी टीम का फोकस ओलंपिक पर रहेगा और इंडिया उसमें भी गोल्ड मेडल लाएगा : ईशिका

- 44 साल बाद इंडिया हॉकी ने एशियन गेम्स में जीता पदक
- भिवानी की बेटी ईशिका ने एशियन गेम्स हॉकी में स्वर्ण पदक जिताने में निभाई अहम भूमिका: धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी







भिवानी। गोल्ड मेडलिस्ट ईशिका संभ्रवाल को सम्मानित करते सांसद धर्मबीर सिंह व अन्य खेलप्रेमी, विजय जुलूस में खुली गाड़ी में गोल्ड मेडलिस्ट ईशिका संभ्रवाल व खेलप्रेमी व गोल्ड मेडलिस्ट ईशिका संभ्रवाल को सम्मानित करते खेलप्रेमी।

भारतीय हॉकी टीम की सुपरस्टार एवं एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ईशिका संभ्रवाल का रविवार को भिवानी पहुंचने पर भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह व खेलप्रेमियों ने जोरदार स्वागत किया।

सांसद धर्मबीर सिंह ने बेटी ईशिका की उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी और अन्य बेटियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने प्रत्येक माता पिता से आह्वान किया कि वे अपनी बेटियों को कुछ अच्छा करने के लिए पूर्ण सहयोग करें, जिससे वे बेटी ईशिका की तरह परिवार, जिला, प्रदेश व देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर सकें। रविवार को गोल्ड मेडलिस्ट ईशिका संभ्रवाल का भिवानी पहुंची, जिनका खेलप्रेमियों ने जोरदार स्वागत किया।

ईशिका का भिवानी पहुंचने पर सबसे पहले शहीद भगत सिंह चौक पर फूल-मालाओं से स्वागत किया और खुली गाड़ी में शहर में विजय जुलूस निकाला। ईशिका ने स्वर्ण पदक को परिवार के लिए समर्पित करते हुए कहा कि उनकी मां और पिताजी रिटायर्ड डीएसओ वीरेंद्र सिंह की अथक मेहनत एवं परिवार की हर समय सहयोग की बदौलत ही वह इस मुकाम पर पहुंच पाई हैं। भिवानीवासियों ने उनका गर्मजोशी से जो स्वागत किया हैं वो इससे बहुत खुश हैं। ईशिका ने कहा कि गोल्ड मेडल जीतने के साथ ही उसने व टीम ने ओलिंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया है।

अब पूरी टीम का फोकस ओलिंपिक पर रहेगा और इंडिया ओलंपिक में पक्का गोल्ड मेडल लेकर आएगी। ईशिका ने कहा कि उनके पिता विरेंद्र संभ्रवाल हॉकी के कोच रहे हैं, मेरे पापा की वजह से ही उन्होंने हॉकी की शुरूआत की। छोटे बच्चे भी हॉकी शुरू करें और उसके लिए अभ्यास करें।

सांसद ने घर पहुंचकर दी बधाई

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने सेक्टर 13 स्थित ईशिका के निवास पर जाकर ईशिका को बधाई दी और कहा कि ये गौरव की बात है कि भिवानी की बेटी ने एशियाई खेलों में भारत को हाकी में स्वर्ण पदक जितने में अहम भूमिका निभाई और आगे भी बेटी ईशिका ऐसे ही कड़ी मेहनत करके देश दुनिया में भिवानी का नाम चमकाएं। इस मौके पर युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान, रिटायर्ड डीएसओ जयसिंह कालीरमण, हाकी कोच नीरज, राजू मेहरा, यतेन्द्रनाथ, दिवानचंद रहेजा, प्राचार्या अनिता नाथ, रामौतार संभ्रवाल, एडवोकेट विजय दहिया, शमशेर डीपीई, सुरेन्द्र जांगड़ा पीटीआई, सुनील पीटीआई, टिंकू पीटीआई, सोमदत पीटीआई, विष्णु कोच, राजेश चौधरी,संजय डीपीई, राजेश भारद्वाज, कुंवरपाल, राजकुमार प्रेमनगर, संदीप प्रेमनगर, भरत कोच, राहुल राणा, सोमबीर, बिशनपाल हेडमास्टर, जयकिशन खरक आदि मौजूद रहे।

पूरी टीम व कोच का रहा पूर्ण सहयोग आत्मविश्वास के साथ दिखा पाई हुनर

ईशिका ने कहा कि हमने पहले ही निश्चित किया हुआ था कि इस बार गोल्ड मेडल हमारा होगा, क्योंकि पिछले 44 साल से इंडिया गोल्ड मेडल नहीं जीत सका था। ईशिका ने कहा उनका ये पहला एशियन गेम था, जो सबसे बड़ा टूर्नामेंट रहा। कोच व टीम का पूरा सहयोग रहा, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपने हुनर को दिखा पाई। उनके पूरे परिवार का इस उपलब्धि में सहयोग हैं। ईशिका के पिताजी रिटायर्ड डीएसओ वीरेंद्र सिंह ने कहा कि बेटी के अंदर हॉकी खेलने की काबिलियत थी, जिसे उन्होंने बचपन में ही पहचान लिया था। उन्होंने बेटी को हरसम्भव मदद दी और कभी भी कमी महसूस नहीं होने दी।

गोल्ड मेडल विजेता इशिका को किया सम्मानित



भिवानी। एशियाई खेलो में गोल्ड मेडल जीत कर अपने निवास स्थान पहुंचने पर गांव बापोड़ा (भिवानी) की इशिका सभरवाल को उनके निवास स्थान पर जाकर डॉक्टर अंबेडकर युवा एकता समिति तिगड़ाना व गुरु रविदास समाज विकास समिति तिगड़ाना की ओर से स्मृति चिह्न व मालाओं द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सभी सम्मानित सदस्यों द्वारा इशिका को बधाई देते हुए उन्हें ओलंपिक के लिए अग्रिम शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर युवा एकता समिति के प्रधान मास्टर सतबीर सिंह, महासचिव संदीप रंगा,राज मिस्त्री, गुरु रविदास समाज विकास समिति तिगड़ाना के महासचिव कर्मवीर दहिया, कैशियर शिवकुमार सिंहमार,थानेदार वीरेन्द्र सिंह,संदीप हवलदार,विनोद दहिया, सुधीर कटारिया, डॉक्टर उपेश दहिया,जयसिंह डी पी, पवन फायरमैन सहित कई युवा साथी मौजूद रहे।

मंडी में ट्रैक्टरों की लगी लंबी कतार

- बाजरे की खरीद शुरू नहीं होने से किसानों और आढ़तियों की परेशानी लगातार बढ़ रही

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढड़ा



छोटे व्यापारी औने-पौने भाव पर खरीद रहे

किसानों का कहना है कि फसल मंडी में पहुंच चुकी है, लेकिन खरीद एजेंसियों की ओर से खरीद को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं की जा रही। बाजरे सरकारी खरीद शुरू नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्र के कई किसान अपनी फसल छोटे व्यापारियों को एमएसपी से काफी कम दाम पर बेचने को मजबूर हैं। किसानों के अनुसार बाजरे का निर्धारित एमएसपी 2900 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि छोटे व्यापारी औने पौने भाव पर बाजरा खरीद रहे हैं। इससे किसानों को प्रति क्विंटल पांच सौ से छह सौ रुपये तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। प्रशासन भी खरीद एजेंसियों की सूचना का इंतजार कर रहा। किसानों का कहना है कि सरकार मंडियों में बाजरे की खरीद को लेकर पहले से सभी तैयारियां पूरी होने के दावे कर रही थी, लेकिन फसल मंडी में आने के बाद खरीद शुरू नहीं होने से सरकारी दावों की पोल खुल रही है।

कस्बे के जुई रोड स्थित अनाज मंडी में बाजरे की आवक तेज हो गई है। किसान धड़ाधड़ ट्रैक्टर-ट्रालियों में बाजरा लेकर मंडी पहुंच रहे हैं, लेकिन सरकारी खरीद शुरू नहीं होने के कारण मंडी में ट्रैक्टरों की लंबी कतारें लग गई हैं।

खरीद शुरू न होने से किसानों और आढ़तियों की परेशानी लगातार बढ़ रही है। किसानों में सरकारी व्यवस्था को लेकर रोष है। सरकार की ओर से खरीफ सीजन में बाजरे की सरकारी खरीद एक अक्टूबर से शुरू करने का शेड्यूल निर्धारित किया गया था। एक अक्टूबर को खरीद शुरू नहीं हुई और इसके बाद लगातार तीन दिन सरकारी अवकाश होने के कारण मंडी में अब तक सरकारी खरीद शुरू नहीं हो पाई है।

समाजसेवियों और शिक्षकों को किया सम्मानित

- शिक्षक करता चरित्र निर्माण, शिक्षा एवं सेवा समाज के मजबूत स्तंभ: सांसद धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी



भिवानी। शिक्षक को सम्मानित करते सांसद धर्मबीर सिंह। *फोटो: हरिभूमि*

रविवार को जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में सम्मान समारोह का आयोजन किया। समारोह में शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनकी सेवाओं की सराहना की। समारोह को बालयोगी महंत चरणदास महाराज का सानिध्य प्राप्त हुआ, जिनके आशीर्वचन ने उपस्थित जनसमूह में ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाण महिला आयोग की उपाध्यक्ष मीना परमार ने की तथा भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की उपाध्यक्ष रेनू डाबला ने की। इस अवसर पर हरियाणा माटीकला बोर्ड के चेयरमैन अनुप सिंह, मेडिकल कॉलेज निदेशक डॉ. धीरज परिहार, राजेश डीएमसी, बीके सुमित्रा दीदी, अमिता सिंहमार, धनपति दहिया, डॉ. सुखविंद्र दूहन, धर्मचंद, श्यामलाल मेघवाल, विजय सिंहमार, राजीव मित्तल, देवराज तोशामिया आदि मौजूद रहे।

सेवाभावना बढ़ेगी

सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि शिक्षक न केवल राष्ट्र का निर्माता होता है, बल्कि वह आने वाली पीढ़ियों के चरित्र का निर्माण भी करता है, ऐसे मंचों के माध्यम से जब शिक्षकों और समर्पित समाजसेवियों को सम्मानित किया जाता है तो इससे समाज में सकारात्मकता एवं जनसेवा की भावना को बल मिलता है। महंत चरणदास ने कहा कि शिक्षा और सेवा ही समाज को उत्थान की ओर ले जाने वाले दो मुख्य स्तंभ हैं। शिक्षकों का सम्मान समाज की नींव को मजबूत करता है और निःस्वार्थ भाव से सेवा करने वाले समाजसेवियों को पहचान देना पूरी मानवता को प्रेरित करने वाला कार्य है।

पीटीएम में विद्यार्थियों की प्रगति को लेकर किया मंथन



चरखी दादरी। एचडी स्कूल बिरोहड़ में विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति एवं सर्वांगीण विकास को लेकर पेरेंट्स-टीचर मीटिंग (पीटीएम) का आयोजन किया गया। इस दौरान अभिभावकों को विद्यार्थियों की अर्द्धवार्षिक परीक्षा का परिणाम सौंपा गया। शिक्षकों ने अभिभावकों को विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम, कक्षा प्रदर्शन, अनुशासन, नियमितता और विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता से अवगत करवाया। विद्यालय निदेशक बलराज फौगाट ने कहा कि अभिभावकों की शत-प्रतिशत उपस्थिति विद्यालय और अभिभावकों के बीच बेहतर तालमेल का प्रमाण है।

सरकारी योजनाओं की दी जानकारी

- नुक्कड़ नाटक के जरिए पहुंचाया जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭तोशाम



तोशाम। झील पर आयोजित कार्यक्रम में सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत रविवार को तोशाम में चौ. सुरेंद्र सिंह मेमोरियल झील और चौ. सुरेंद्र सिंह मेमोरियल खेल परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया।

झील परिसर में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व जिला प्रधान नन्दराम धानिया मुख्य अतिथि रहे। मंडल अध्यक्ष विक्की महता के अलावा सरपंच राजेश तंवर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं चौ. सुरेंद्र सिंह खेल परिसर में आयोजित नाटक मंचन कार्यक्रम में व्यापारी कल्याण बोर्ड के जिला चेयरमैन रविन्द्र बापौडा मुख्य अतिथि रहे।

नुक्कड़ नाटक प्रभावी माध्यम

कार्यक्रम में मौजूद गणमान्य नागरिकों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक प्रभावी माध्यम है। इसके जरिए सरल भाषा और रोचक प्रस्तुति के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों तक संदेश पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी सामाजिक अभियान की सफलता के लिए आम लोगों की भागीदारी आवश्यक है। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

स्वयंसेविकाओं ने गांव जेवली में की सफाई

बाढड़ा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत राजकीय महिला महाविद्यालय, बाढ़ड़ा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयों द्वारा महाविद्यालय के गोद लिए गए गांवों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में तीन अक्टूबर को एनएसएस स्वयंसेविकाओं द्वारा जेवली गाँव के मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेविकाओं ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई करते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधरोपण भी किया गया। स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को पौधों के संरक्षण तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। गोपी गाँव में स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वयंसेविकाओं ने साफ-सफाई की तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया।

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का दादरी पहुंचने पर किया स्वागत



चरखी दादरी। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के रविवार को दादरी आगमन पर भाजपा जिला अध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल रहा। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने राव इंद्रजीत सिंह से आत्मीय मुलाकात की और विभिन्न विषयों पर संवाद किया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का मार्गदर्शन और स्नेह भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदैव प्रेरणादायी रहा है। उन्होंने कहा कि राव इंद्रजीत सिंह का दादरी आगमन कार्यकर्ताओं के लिए उत्साहवर्धक है। राष्ट्रदीप परमार ने केंद्रीय मंत्री का दादरी आगमन के लिए आभार जताया और भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं की ओर से उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन संगठन को निरंतर मजबूती प्रदान करता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

महाराजा अग्रसेन जयंती पर सेवा सप्ताह का शुभारंभ

चरखी दादरी। महाराजा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल वैश्य समाज दादरी की ओर से रविवार को सेवा, समर्पण एवं सहयोग सप्ताह का शुभारंभ किया। उद्यम सिंह जैन सिविल अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उपचाराधीन रोगियों और उनके परिजनों को जन सेवा संस्थान की रसोई में तैयार सात्विक भोजन निःशुल्क वितरित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ समाज के युवा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष संदीप गोयल ने किया।

इस दौरान समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा ही सच्ची मानव सेवा है, ऐसे प्रयासों से समाज में सहयोग, संवेदना और परोपकार की भावना मजबूत होती है।

11 को डॉबर कॉलोनी जलघर परिसर में होगा प्रदर्शन : पार्षद

सिल्ट से सड़ रहे जलघर, घटी क्षमता-गंदगी उगल रहे हैं नल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी



आधे से ज्यादा शहर के लोगों का हलक तर करने वाले जलघर भी दुर्दिनों के दौर में है। करीब 14 फुट गहरे डॉबर कॉलोनी तोशाम बाईपास जूई नहर के पास जलघर में पांच से छह फुट तक सिल्ट जम गई है। जिस वजह से टैंकों में जमी सिल्ट पर बेल की हरियाली छा गई है। साथ ही पानी के सप्लाई के वक्त सिल्ट पानी के साथ मिलकर लोगों के घरों तक पहुंच रही है। हालांकि पब्लिक हेल्थ का दावा है कि पानी को पूरी तरह से साफ करके भेजा जाता है,लेकिन उसके बादजूद भी सिल्ट पानी के साथ बह कर पहुंच रही है। पार्षद सुभाष तंवर व संदीप यादव ने जिला प्रशासन से जलघर के टैंक की सफाई कराए जाने की मांग की।

आधी रह गई स्टोरेज करने की क्षमता

पार्षदों ने बताया कि शहर की बाहरी कॉलोनियों के साथ आधे से ज्यादा शहर के लोगों का हलक तर करने के लिए पब्लिक हेल्थ विभाग ने करीब सात एकड़ भूमि में जलघर के टैंक का निर्माण करवाया था। वक्त जलघर की गहराई करीब 14 फुट के आसपास थी। अब उसमें पांच से छह फुट तक सिल्ट(गाद) जम गई है। जिससे जलघर के टैंकों की क्षमता 30 फीसदी से ज्यादा कम हो गई है। अगर इसको पूरा भी भर दिया जाए तो एक माह तक शहर में आपूर्ति पूरी नहीं कर सकता।

नाटक से दी जनहितैषी कार्यों की जानकारी

भिवानी। सूचना, लोकसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग भिवानी तथा कला एवं संस्कृति विभाग के सौजन्य से प्रेमनगर शक्ति केंद्र के आंबेडकर भवन में नमो सेवा गाथा अनकही कहानियां विषय पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक के जरिए कलाकारों ने मनोरंजन के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, सेवा कार्यों और ऐतिहासिक निर्णयों की व्याख्या कर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में तिगड़ाना मंडल प्रभारी राजेश जांगड़ा ने बतौर मुख्यतिथि शिरकत की। नाटक के संयोजक रिटायर्ड प्राचार्य एवं शक्ति केंद्र प्रभारी रमेशचंद्र बूरा रहे। नुक्कड़ नाटक में मुख्य कलाकार नवीन एवं उनकी टीम ने अपनी बहुमुखी कलात्मक प्रस्तुतियों से समां बांध दिया।